

21/3/84

पतावली पेश हुई। अधिवक्ता वादी मय वादी अनुपास्वित।
रुत-रुत करलीन बार आवाजे दिलवार्मि बर्कि। सप्तम सौम
5PM हो-पुसाँ है। अतः वादी मय अधिवक्ता वादी के अनुपास्वित
रहने पर वादी मा वाप अदम हाजरी। अदम पेशी में ब्यरिन
मिजा जाता है। पतावली मंसल शुमा एदोर नखर से मय
है।

मिजिल शुले विसमाल सुनापा गया।

